



Mr. Gaurav Jain

27 Dec 1989

11:00 PM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 119267503

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 27/12/1989
दिन _____: बुधवार
जन्म समय _____: 23:00:00 घंटे
इष्ट _____: 39:51:26 घटी
स्थान _____: Gwalior
राज्य _____: Madhya Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 26:12:00 उत्तर
रेखांश _____: 78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 22:42:36 घंटे
वेलान्तर _____: -00:01:01 घंटे
साम्पातिक काल _____: 05:07:18 घंटे
सूर्योदय _____: 07:03:25 घंटे
सूर्यास्त _____: 17:33:34 घंटे
दिनमान _____: 10:30:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: शिशिर
सूर्य के अंश _____: 12:13:48 धनु
लग्न के अंश _____: 24:27:39 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: धनु - गुरु
नक्षत्र-चरण _____: मूल - 3
नक्षत्र स्वामी _____: केतु
योग _____: वृद्धि
करण _____: नाग
गण _____: राक्षस
योनि _____: श्वान
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: क्षत्रिय
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: अग्नि
जन्म नामाक्षर _____: भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मकर

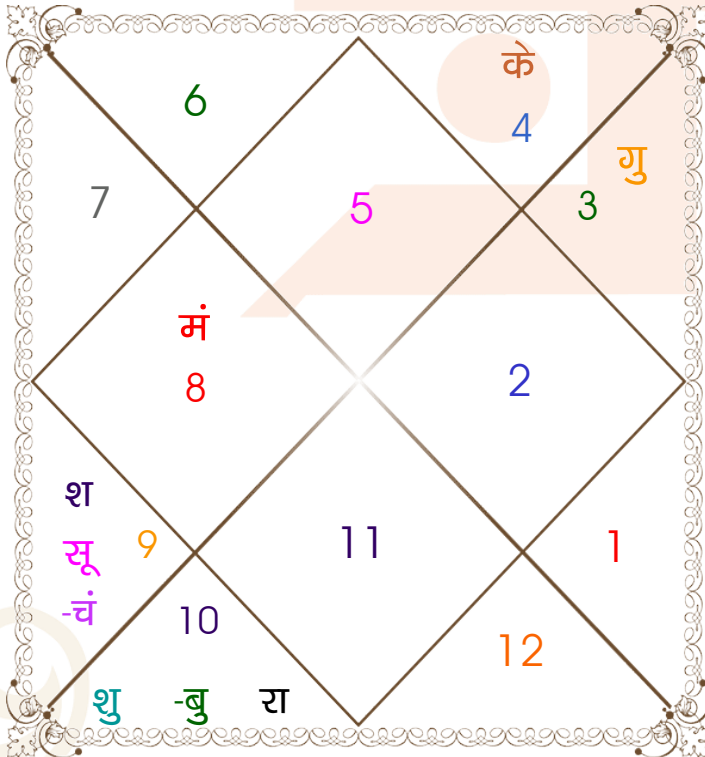
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	24:27:39	323:07:30	पूर्वाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			धनु	12:13:48	01:01:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			धनु	07:29:43	12:32:34	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल			वृश्चि	12:55:43	00:42:04	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	राहु	स्वराशि
बुध			मक	01:15:18	00:32:29	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	12:04:27	00:08:09	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मक	12:39:00	00:03:58	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	मित्र राशि
शनि	अ		धनु	21:22:27	00:07:03	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		मक	23:20:08	00:06:53	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		कर्क	23:20:08	00:06:53	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष			धनु	11:46:41	00:03:37	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
नेप			धनु	18:08:13	00:02:16	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	---
प्लूटो			तुला	23:14:14	00:01:46	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	---
दशम भाव			वृष	24:09:38	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

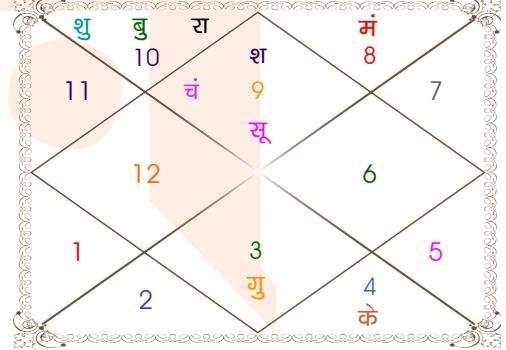
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:43:13

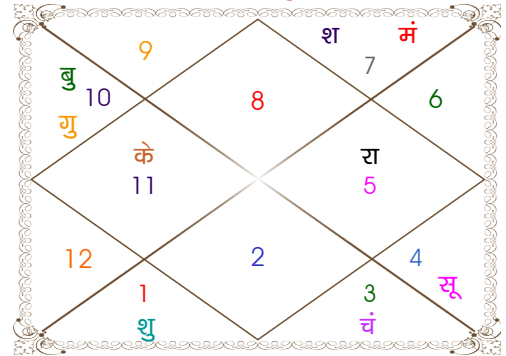
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 0 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष 27/12/1989 20/01/1993	शुक्र 20 वर्ष 20/01/1993 20/01/2013	सूर्य 6 वर्ष 20/01/2013 20/01/2019	चंद्र 10 वर्ष 20/01/2019 20/01/2029	मंगल 7 वर्ष 20/01/2029 21/01/2036
00/00/0000	शुक्र 21/05/1996	सूर्य 10/05/2013	चंद्र 21/11/2019	मंगल 18/06/2029
00/00/0000	सूर्य 22/05/1997	चंद्र 08/11/2013	मंगल 21/06/2020	राहु 07/07/2030
00/00/0000	चंद्र 20/01/1999	मंगल 16/03/2014	राहु 21/12/2021	गुरु 13/06/2031
00/00/0000	मंगल 22/03/2000	राहु 08/02/2015	गुरु 22/04/2023	शनि 21/07/2032
27/12/1989	राहु 22/03/2003	गुरु 27/11/2015	शनि 20/11/2024	बुध 19/07/2033
राहु 08/01/1990	गुरु 20/11/2005	शनि 08/11/2016	बुध 22/04/2026	केतु 15/12/2033
गुरु 15/12/1990	शनि 20/01/2009	बुध 14/09/2017	केतु 21/11/2026	शुक्र 14/02/2035
शनि 24/01/1992	बुध 21/11/2011	केतु 20/01/2018	शुक्र 21/07/2028	सूर्य 22/06/2035
बुध 20/01/1993	केतु 20/01/2013	शुक्र 20/01/2019	सूर्य 20/01/2029	चंद्र 21/01/2036
राहु 18 वर्ष 21/01/2036 20/01/2054	गुरु 16 वर्ष 20/01/2054 20/01/2070	शनि 19 वर्ष 20/01/2070 20/01/2089	बुध 17 वर्ष 20/01/2089 21/01/2106	केतु 7 वर्ष 21/01/2106 00/00/0000
राहु 03/10/2038	गुरु 09/03/2056	शनि 23/01/2073	बुध 19/06/2091	केतु 19/06/2106
गुरु 25/02/2041	शनि 21/09/2058	बुध 03/10/2075	केतु 15/06/2092	शुक्र 19/08/2107
शनि 02/01/2044	बुध 27/12/2060	केतु 11/11/2076	शुक्र 16/04/2095	सूर्य 25/12/2107
बुध 22/07/2046	केतु 02/12/2061	शुक्र 12/01/2080	सूर्य 20/02/2096	चंद्र 25/07/2108
केतु 09/08/2047	शुक्र 02/08/2064	सूर्य 24/12/2080	चंद्र 22/07/2097	मंगल 22/12/2108
शुक्र 09/08/2050	सूर्य 22/05/2065	चंद्र 25/07/2082	मंगल 19/07/2098	राहु 28/12/2109
सूर्य 04/07/2051	चंद्र 21/09/2066	मंगल 03/09/2083	राहु 05/02/2101	00/00/0000
चंद्र 02/01/2053	मंगल 28/08/2067	राहु 10/07/2086	गुरु 14/05/2103	00/00/0000
मंगल 20/01/2054	राहु 20/01/2070	गुरु 20/01/2089	शनि 21/01/2106	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशों के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 0 मा 18 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरुद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरुष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरु दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विघ्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रखें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता है क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त है। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपको नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।